प्रैस विज्ञप्ति : बी.बी.एन. औद्योगिक क्षेत्र से इकट्ठे किए गए हवा के सैम्पलों में 11 रयायन पाए गए, जिसमें से 4 की मात्रा खतरनाक स्तर पर पाई गई

22 मई, 2010 को हिम परिवेश, नालागढ़ स्थित एक स्थानीय पर्यावरण संस्था के सदस्यों ने चैन्नई की संस्था, कम्यूनिटि एन्वायरमैंट मौनिटरिंग, जो प्रदूषण के मुद्दे पर काम करती है, के साथ मिलकर बी.बी.एन. क्षेत्र से हवा के सैम्पल इकट्ठे किए। इन सैम्पलों में उन्होंने यहां के वातावरण में *वौलेटाइल औरगैनिक कम्पाउन्ड्ज़* की मौजूदगी की जांच की। *टैडलार एयर सैम्पलिंग* नामक तकनीक के उपयोग से यह सैम्पल बद्दी रोड़ पर बी.बी.एन. औद्योगिक क्षेत्र स्थित मोरपैन लैबौरेट्रीज़ लिमिटेड से 200 मीटर उत्तर–पश्चिमि क्षेत्र से इकट्ठे किए गए। हिम परिवेश के श्री. बालकृष्ण शर्मा का कहना है, ''यह स्थल इसलिए चुना गया क्योंकि इस क्षेत्र से गुज़रते समय यहां पर काफी बदबू आती है। जब हमने सैम्पल इकट्ठे किए तो यहां पर पोदीने/आम की मिली जुली एक खट्टी गंध आ रही थी। इस गंध के कारण सभी सदस्यों को आंखों व त्वचा पे जलन, गले में खराश और सर में भारीपन महसूस हुआ''।

''यह सैम्पल अमरीका की एक लैबोरेट्री, कोलम्बिया ऐनेलिटिकल सर्विसेज़ में जांच के लिए भेजे गए। हम इस लैबोरेट्री के साथ पिछले कई सालों से काम कर रहे हैं'', कम्यूनिटि एन्वायरमैंट मौनिटरिंग सैल की कार्यकर्ता, श्वेता नारायण का कहना है। 10 जून, 2010 को प्राप्त हुए जांच के परिणामों के अनुसार हवा के इन सैम्पलों में 11 प्रकार के रसायन पाए गए। यह हैं – कारबन डायसल्फाईड, इथेनौल, प्रोपीन, ईसोप्रोपाईल ऐल्कोहोल, मिथाईलीन क्लोराईड, क्लोरोफोम, मिथाईल टर्ट ब्यूटाईल ईथर, इथाईल एसिटेट, टोलूईन और डी–लिमोनीन। इन 11 रयायनों में से 4 ऐसे हैं जिनकी मात्रा अमरीकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (यू.एस.ई.पी.ए.) क्षेत्र 6 के लिए निर्धारित स्तरों से या किसी भी अन्य मानक से सुरक्षित मात्रा की हद से ज़्यादा निकले हैं। यह रयायन हैं – कारबन डायसल्फाईड, मिथाईलीन क्लोराईड, क्लोरोफोम और टैट्राहाईड्रोफ्यूरान। दो कैंसरकारी तत्व भी पाए गए हैं – क्लोरोफोम, जो कि यू.एस.ई. पी.ए. सुरक्षित मानकों से 321 गुणा ज़्यादा पाया गया और मिथाईलीन क्लोराईड की मात्रा सुरक्षा मानकों से 6.8 गुणा ज़्यादा पाई गई। इन 11 रसायनों में से सभी का

आंखों पर असर पड़ता है, 9 का असर तवचा और श्वास तंत्र पर, 7 का केन्द्रीय नाड़ी तंत्र पर, 5 का कलेजे पर, 4 का गुर्दे पर, 2 का प्रजनन तंत्र पर और 1 का हृदय, रक्तचाप तथा परिधीय नाड़ी तंत्र पर।

शायद बी.बी.एन. क्षेत्र में रहने वाले लोगों को पहले से ही उनके स्वास्थ्य को होने वाले इन खतरों का आभास है, पर इस परीक्षण का उद्देश्य था कि एक वैज्ञानिक तरीके से इस खतरे को समझकर इसके आधार पर लोगों को स्पष्ट रूप से बताया जा सके कि वे किस प्रकार की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, प्रदूषण जांच विभाग जैसे संस्थानों की प्रभावहीनता को उजागर करना भी एक उद्देश्य था। ''14 जुलाई, 2010 को सूचना के अधिकार के अंतर्गत प्राप्त किए गए एक जवाब में प्रदूषण जांच विभाग ने खुद यह माना है कि बी.बी.एन. क्षेत्र में *वौलेटाईल औरगैनिक कम्पाउन्ड्ज़* की मौजूदगी का उन्होंने कभी निरीक्षण नहीं किया है'', एन्वायरमैंट रिसर्च ऐंड ऐक्शन कलैक्टिव, पालमपुर की कार्यकर्ता मान्शी आशर का कहना है, जिन्होंने प्रदूषण जांच विभाग से सूचना के अधिकार के अंतर्गत यह जानकारी मांगी थी। ''अगर इस संस्थान ने कोई निरीक्षण प्रणाली बनाई ही नहीं है, तो यह अपने आप को 'प्रदूषण जांच विभाग' क्यों बुलाते हैं'', जगत सिंह दुखिया, हिम परिवेश का कहना है।

ऐसी स्थिति में, जहां प्रदूषण जांच विभाग की एक ज़हरीले औद्योगिक क्षेत्र में अपनी ज़िम्मेदारियां पूरी करने की ही कोई क्षमता नहीं है, और अधिक उदारपूर्ण औद्योगिक नीति की मांग करना तथा और भी ज़्यादा प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को इस क्षेत्र में आने के लिए आमंत्रित करना जैसे स्थानीय लोगों को मौत की सज़ा सुनाने जैसा है। ''अभी तो हम भोपाल गैस त्रासदी के प्रभावों से ही जूझ रहे हैं, लेकिन हमने उस गलती से कुछ नहीं सीखा। हम अभी भी अपने ही लोगों को ज़हरीले वातावरण में रहने के लिए मजबूर कर रहे हैं और अपने पर्यावरण को दूषित करने पर तुले हुए हैं। बी.बी.एन. औद्योगिक क्षेत्र एक और भोपाल बनने जा रहा है'', मान्शी आशर ने अपने वक्तव्य में जोड़ते हुए कहा। हिम परिवेश संस्था पिछले कई सालों से यह मुद्दे उठा रही है और यह जांच उन्होंने अपने औद्योगिक प्रदूषण के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत करवाई है। ''हम इस अभियान में स्थानीय लोगों के साथ मिलकर समस्याग्रस्त क्षेत्रों की पहचान

करके वहां के वातावरण में मौजूद रसायनों की जांच जारी रखेंगे, न सिर्फ हवा में बल्कि वहां की धूल व पानी में भी।''

और अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :

बालकृष्ण शर्मा 9459028044 (हिम परिवेश, नालागढ़)

मान्शी आशर 9418745198 (एन्वायरमैंट रिसर्च ऐंड ऐक्शन कलैक्टिव, पालमपुर)

श्वेता नारायण 09444024315 (कम्यूनिटि एन्वायरमैंट मौनिटरिंग कैमपेन, तमिल नाड)।